कलयुग में फिर से आजा डमरू बजाने वाले लिरिक्स

कलयुग में फिर से आजा,
डमरू बजाने वाले,
दु:ख दर्द सब मिटा जा,
डमरू बजाने वाले।bd।

विष पीके तुमने बाबा,
संसार को बचाया,
भैरव के रूप में भी,
महाकाल बनके आया,
दानव को फिर मिटा जा,
तांडव रचाने वाले,
कलयुग मे फिर से आजा,
डमरू बजाने वाले।bd।

दानव देव ऋषियों ने,
सबने है तुम्हे ध्याया,
संतो के लिए बाबा,
सातों धाम रचाया,
भक्तो को फिर जगा जा,
उज्जैन वाले बाबा,
कलयुग मे फिर से आजा,
डमरू बजाने वाले।bd।

कलयुग में फिर से आजा,
डमरू बजाने वाले,
दु:ख दर्द सब मिटा जा,
डमरू बजाने वाले।bd।

गायक / प्रेषक – ऋतुराज महाराज।
7024874463

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com